Dainik Bhaskar (Indore), 14th July 2026, Page - 2

ENCOURAGEMENT

इंदौर को मेडिकल इनोवेशन हब बनाने पर हो रहा काम

हेल्थ-टेक स्टार्टअप को IIT देगा 1.5 करोड़ रु. तक, लैब की तकनीक अस्पतालों में पहुंचेगी

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

मेडिकल डिवाइस और हेल्थ टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप और शोधकर्ताओं को आईआईटी इंदौर बड़ा अवसर दे रहा है। संस्थान के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने ऑन मेडिकल डिवाइस डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन प्रोग्राम के लिए देशभर से आवेदन मंगाए हैं। इसका उद्देश्य प्रयोगशाला में तैयार हो चुकी नई हेल्थ तकनीक को अस्पतालों और बाजार तक पहुंचाना है, ताकि शोध केवल रिसर्च पेपर तक सीमित न रहें, बल्कि इलाज में आए। आवेदन 31 जुलाई तक होंगे। यह प्रोग्राम उन फैकल्टी सदस्यों और शोधकर्ताओं के लिए है, जिन्होंने मेडिकल डिवाइस या हेल्थकेयर तकनीक का प्रोटोटाइप तैयार किया है और उसे कमर्शियल प्रोडक्ट के रूप में विकसित करना चाहते हैं।

एक्सपर्ट का सहयोग भी रहेगा

चयनित परियोजनाओं को अधिकतम 1.5 करोड़ रुपए तक की मदद दी जाएगी। इसके अलावा तकनीक को बेहतर बनाने, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, पेटेंट फाइलिंग, लाइसेंसिंग, कमर्शियलाइजेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़ने में भी एक्सपर्ट का सहयोग मिलेगा।

केयर डायग्नोस्टिक्स को बढ़ावा मिलेगा

आयोजन के तहत स्मार्ट हेल्थकेयर सिस्टम, वियरेबल डिवाइस, लगातार स्वास्थ्य निगरानी करने वाली तकनीक, सेंसर, पेशेंट डेटा एक्विजिशन सिस्टम और पॉइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इन तकनीकों का उद्देश्य बीमारी की जल्दी पहचान करना, मरीजों की लगातार निगरानी करना और अस्पतालों में आधुनिक डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देना है। दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन आईआईटी का टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क है। इसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स के तहत बनाया है।

यह कोशिश कर रहा है आईआईटी

- एआई से ऑपरेशन थिएटर को आधुनिक बनाना
- भारत में पहली बार डिजिटल ट्विन हेल्थकेयर पर काम
- मेडिकल डिवाइस को बढ़ावा देने 1.5 रुपए की फंडिंग
- डीपटेक स्टार्टअप हब के रूप में खुद को तैयार कर रहा
- स्टार्टअप, डॉक्टर्स और इंडस्ट्रीज को एक मंच पर ला रहा है